'The McMahon Line: A Century of Discord' के विमोचन कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

27 जून 2022

जय हिन्द!

'The McMahon Line: A Century of Discord' के विमोचन समारोह में उपस्थित सम्मानित महानुभावों!

मुझे बेहद खुशी हो रही है कि एक सैन्य अधिकारी के रूप में थल सेना प्रमुख और उसके पश्चात् अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के पद पर आसीन रहे महान् व्यक्तित्व जनरल जे.जे. सिंह जी की लेखनी से लिखी गयी पुस्तक **'The McMahon Line: A Century of Discord'** का विमोलन आज राजभवन देहरादून के इस सभागार में होने जा रहा है।

सर्वप्रथम मैं इस पुस्तक के विमोचन के अवसर पर स्वयं और सैन्य भूमि उत्तराखंड की ओर से इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

मुझे पूरा विश्वास है कि आपके द्वारा लिखी गयी **"A Soldier General"** की तरह ही यह पुस्तक भी लोकप्रिय और सराहनीय होगी। मुझे इस बात का भी पूरा भरोसा है कि यह पुस्तक भारत-चीन के बीच स्थित मैकमोहन लाइन के विभिन्न पहलुओं पर हम सबको एक अलग ही जानकारी देने वाली होगी और इस रणनीतिक विषय पर एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी।

भारत चीन सीमा विवाद अनेक दशकों से स्थायी और चुनौतीपूर्ण समस्या है जो दोनों देशों के मध्य तनाव का प्रमुख कारण है और हमारे आपसी संबंधों को खराब करती है। मुझे आशा है कि यह पुस्तक पाठकों के मन में इस तनाव के कारणों की गहराई में जाकर इसके निदान का मार्ग दिखाते हुए एक सारपूर्ण चिंतन प्रदान करने में सफल सिद्ध होगी।

जनरल जे.जे. सिंह जी द्वारा पूरी किताब में, मैकमोहन रेखा की राजनीति, इतिहास, संरचना, स्थानीय इतिहास और क्षेत्र के भूगोल पर जोर दिया गया है और अनेक दिलचस्प बिंदुओं को उजागर किया गया है जो आज भी कूटनीतिक मंच पर चल रही बातचीत के लिए प्रासंगिक है।

पुस्तक हमें यह संदेश देती है कि दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावना नहीं है और उच्चतम राजनीतिक स्तर पर सीमा विवाद का समाधान भारत और चीन के लिए व्यावहारिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी तरीका है। इसके लिए भारत को अपने प्रतिरोध को इस स्तर तक बढ़ाने की आवश्यकता है कि युद्ध की कोई भी संभावना राजनीतिक, आर्थिक, राजनयिक और सैन्य आयाम में निषेधात्मक हो जाए।

यह ठीक ही निष्कर्ष निकाला गया है कि दोनों देश प्रतिस्पर्धी हैं न कि प्रतिद्वंद्वी, जैसा कि अक्सर कहा जाता है।

यह उत्कृष्ट शोध परक पुस्तक मैकमोहन रेखा से कहीं अधिक है। यह सीमा विवाद की उत्पत्ति का एक अत्यंत पठनीय इतिहास है। इतिहास की इस जटिल विरासत से हम अभी भी जूझ रहे हैं। मैकमोहन लाइन के बारे में बात करते हुए इस किताब में भारत-चीन संबंधों के वर्तमान और भविष्य का आकलन किया गया है। वह शांति को बनाए रखने के लिए विभिन्न सीमा समझौतों को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखता है, लेकिन भारत को चेतावनी देता है कि वह अपने गार्ड को कम न करें, अपनी क्षमताओं को लगातार आधुनिक बनाने के लिए और संघर्ष की लागत को निषेधात्मक स्तर तक बढ़ाने के लिए अधिक मजबूत प्रतिरोध का निर्माण करें।

भारत चीन सीमा विवाद को ध्यान में रखते हुए सेन्य शक्ति को प्रभावशाली और गतिशील बनाये रखाना भी अत्यन्त आवश्यक है। इसके लिए "साहसी" और "उच्च स्तरीय राजनीतिक कॉप" की आवश्यकता के साथ ही सेना को युवा शक्ति के जोश एवं जज्बे से युक्त बनाये रखना आवश्यक है। इस दिशा में 'अग्निवीर योजना' एक नयी आशा का संचार करती है जो हमारी सेना को हमेशा युवा शक्ति से सम्पन्न बनाती है।

मेरा यह भी मानना है कि अग्निपथयोजना के आने से उत्तराखंड के युवाओं में एक उत्साह देखने को मिलेगा। रक्षा एवं गृह मंत्रालय समेत कई राज्यों द्वारा अग्निवीरों को आरक्षण दिए जाने का निर्णय सराहनीय है, मेरा विश्वास है कि भविष्य में Private Sector भी अग्नि वीरों को प्रोत्साहन देगें।

जैसे कि जनरल जे. जे. सिंह जी द्वारा अपनी पुस्तक में भारतीय सैन्य शक्ति को युवा और जोश जज्बे से पूर्ण बनाने की ओर संकेत दिया है मैं आशा करता हूँ कि इस योजना से देश सामरिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होगा ।

साथ ही जनरल जे.जे. सिंह जी की यह पुस्तक पाठकों को पसन्द आयेगी और इसमें लिखे गये गम्भीर विषय लोगों के चिन्तन को प्रभावित करने वाले तथा समाधान की ओर राह दिखाने वाले होंगे।

इस पुस्तक के सफल प्रकाशन और सम्पादन के लिए सम्बन्धित सभी महानुभावों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ साथ ही इसके विमोचन कार्यक्रम के साक्षी यहाँ उपस्थित सभी महानुभावों को भी हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

जय हिन्द